

(50)
५५

क-हाड काजी



बाशागायपरकागज्यावे ॥ स्फ
मत्रीवाछा ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥

॥ मत्र ॥

॥ वोईदीनकरुकीवोईदीनकरुदोर ॥ नीला
॥ घोडा नीला जीन ॥ उपरबैयां मदावीर
॥ ज्वाज्वावे संमदावीर ॥ जीस काम परके
॥ जुः उरु काम परज्यावे ॥ इयडाइयरी सेना
॥ वे ॥ दवडादवरी सुज्यावे ॥ नज्यावे तोआ
॥ सीलाक सुवरकाः लउगेरे मुमेपरे ॥ ज्या
॥ कासुकु गरि तोआ कपेल गावे ॥ पाताल
॥ कु गरि तो कुदाल्मा ल गावे ॥ इवा दइयो दे
॥ लगवेः घुरघर लगवे ॥ नलगवे तो
॥ दालीमा कादुददारा म ॥ सबदसाच्या
॥ पीठका च्याः ला ज्या म दवीर तरी
॥ वा च्या ॥ ५५ ॥ पुरो मत्र ॥ ५६ ॥

॥ मत्र वीशाचे ॥

॥ जकाज काज मादा काजः साती आस
॥ काज ॥ ज्याट वा सुखा सुर काज
॥ रफट कया सोमलः घारि

॥ वाघाची मीशी : बेउकाचे मा
 ॥ पालीचे दोपुट : नागाचवी शः
 ॥ मरुचुदः काचः उगडे वागडे : इत
 ॥ कसाचे हातो हात पानी करे वे : न करि
 ॥ सतरि : बा वागो द उहा तुजी आरा
 ॥ नेरि अत गुरु की शक स्फुरि मंत्र
 ॥ मंत्र सव इना ॥
 ॥ उहास का विर पुजी ये कसास पाखरेस
 ॥ त गुडा कावे : पाये शा सकाक सुत गुडा व
 ॥ न मुरा की सान ही सस च इना ॥ ५ ॥
 ॥ मंत्र कर राचा ॥

॥ चले चडी चडी : तो का उर दे श की भवानी
 ॥ चेरी : तो मुट चलावे न वरयंति ॥ तो ते दे
 ॥ सीद पद ते लहाडी ॥ आगे चो ट तो गोब
 ॥ हि की ॥ पीछे चो ट तो मस्यान की ॥ झी डी
 ॥ चलावे उसका नाव ॥ नाचलावे तो गु
 ॥ रु की सवरा ॥ ते दे माता पीता की ॥ रश्चि र
 ॥ पाद वती की ॥ ये ता रिसुन कर : नचलावे
 ॥ न कं र मे मु बु णावे ॥ स्फुरो मंत्र



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com